विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय संस्कृत व्याकरण 6 जुलाई 2020

वर्ग षष्ठ राजेश कुमार पाण्डेय

शब्द रूप

प्रत्येक संज्ञा, सर्वनाम तथा विशेषण शब्दों को भी 24 प्रत्ययों की सहायता से 24 रूपों में विभक्त किया गया है। शब्दों के विभिन्न 24 रूपों को दिखाने वाले मुख प्रत्ययों की संख्या 21 है, क्योंकि कर्त्ता तथा संबोधन कारकों को बताने वाले व्यक्तियों एक ही होती है। इन प्रत्ययों को संस्कृत व्याकरण में 'सुब्' (प्रत्यय) कहते हैं। ये प्रत्यय इस प्रकार हैं।

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथमा	सु (:)	औ	जस् (अः)
द्वितीया	अम्	औट्	शस् (अः, अन्)
तृतीया	टा (आ, ऐन)	भ्याम्	भिस् (भिः, ऐः)
चतुर्थी	ङे (ए, आय)	भ्याम्	भ्यस् (भ्यः)
पञ्चमी	ङसि	भ्याम्	भ्यस् (भ्यः)
षष्ठी	जस् (अः, स्य)	ओस् (योः)	आम् (नाम्)
सप्तमी	ङि (इ, ए)	ओस् (योः)	आम् (नाम्)
सम्बोधन	प्रथमा विभक्ति ही चलति है।	.....	.....

शब्द रूपों की रचना की सुविधा के लिए शब्दों को दो भागों में बाँटा गया है –

1. स्वरान्त अथवा अजन्त शब्द रूप तथा
2. व्यञ्जनान्त अथवा हलन्त शब्द रूप।

इस कक्षा में आप अजन्त शब्दों के रूप तथा सर्वनाम् शब्दों के रूप तीनों लिङ्गो में पढेंगे –